आईआईएम रांची के 12वें दीक्षांत समारोह में 2021-23 बैच के युवा प्रबंधकों को राज्यसभा के उपसभापति ने दी डिग्री

आज की पीढ़ी सृजनकर्ताओं-प्रदाताओं की: हरिवंश

कॉन्वोकेशन

542 विद्यार्थियों ने समारोह में उपाधि प्राप्त की

03 पीएचडी में और तीन डिग्री ईपीएचडी के लिए दी गई

प्रबंध नगर, नया सराय रोड स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार में शनिवार को भारतीय प्रबंधन संस्थान, रांची के 12वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश के साथ डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थी और अतिथि। • हिन्दुस्तान

रांची, प्रमुख संवाददाता। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), रांची का 12वां वार्षिक दीक्षांत समारोह शनिवार को प्रबंध नगर, नया सराय रोड स्थित संस्थान के स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित किया गया। इसमें 2021-23 बैच विद्यार्थियों को डिग्री दी गई। मुख्य अतिथि राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने दीक्षांत भाषण में कहा कि आज की पीढ़ी नौकरी सृजनकर्ताओं और प्रदाताओं की है, न कि नौकरी चाहने वालों की।

तैत्तिरीय उपनिषद के अंशों का हवाला देते हुए उन्होंने युवा प्रबंधकों को प्रेरित किया। साथ ही, स्टीव जॉब्स, जेके राउलिंग और शेरिल सैंडबर्ग के प्रेरक उद्धरणों का जिक्र भी किया।

इन कोर्स के विद्यार्थियों को मिली उपाधि: समारोह में 2021-23 बैच के एमबीएम, एमबीए एचआरएम, एमबीए बीए, एग्जीक्यूटिव एमबीए, पीएचडी, ईपीएचडी के 542 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। साथ ही, इन सभी विषयों में शैक्षणिक उत्कृष्टता हासिल करनेवालो विद्यार्थियों को बोर्ड ऑफ गवर्नर्स चेयरमैन मेडल व सर्टिफिकेट, डायरेक्टर मेडल और सर्टिफिकेट, प्रोग्राम चेयरपर्सन मेडल व सर्टिफिकेट व बुक प्राइज दिया गया। अध्यक्षता आईआईएम, रांची के निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव ने की।

कुणाल को प्रो आशीष हाजेला मेमोरियल अवार्ड: समारोह में स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट कोर्स में सर्वाधिक सीजीपीए हासिल करनेवाले छात्र कुणाल जोशी को प्रो आशीष हांजेला मेमोरियल अवार्ड से नवाजा गया। जब उन्होंने यह अवार्ड प्राप्त किया तो सभागार तालियों से गूंज उठा। कार्यक्रम में अध्यक्ष और सदस्य, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, शिक्षक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

बोर्ड ऑफ गवर्नर्स चेयरमैन मेडल आशिक आनंद को

एमबीए में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स चेयरमैन मेडल व सर्टिफिकेट- आशिक आनंद को, डायरेक्टर मेडल व सर्टिफिकेट- हर्षवर्द्धन नागेलिया को, प्रोग्राम चेयरपर्सन मेडल और सर्टिफिकेट- पल्लवी को और दो बुक प्राइज- गुरनाज कौर गिल व सृजन गर्ग को दिया गया। एमबीए एचआरएम में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स चेयरमैन मेडल और सर्टिफिकेट- पल्लवी सिंह, डायरेक्टर मेडल और सर्टिफिकेट- साक्षी रंका, प्रोग्राम चेयरपर्सन मेडल व सर्टिफिकेट चिन्मय झा व दो बुक प्राइज- अजय यादव व सोनम पात्रा, को दिया गया।

एमबीए बीए में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स चेयरमैन मेडल व सर्टिफिकेट- सतीश रविशंकर, डायरेक्टर मेडल और सर्टिफिकेट अरित्रा भट्टाचार्य, प्रोग्राम चेयरपर्सन मेडल व सर्टिफिकेट श्रेयांश मोहंती और दो बुक प्राइज- मृणाल मिश्रा और अमन को दिया गया। एमबीए एक्जीक्यूटिव में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स चेयरमैन मेडल और सर्टिफिकेट- रोहित चंद्र सिन्हा, डायरेक्टर मेडल व सर्टिफिकेट- दिप्रवा लकड़ा, प्रोग्राम चेयरपर्सन मेडल व सर्टिफिकेट-अदिति मुखर्जी और दो बुक प्राइज- आयुष आनंद व रंकेश कुमार को दिया गया।

एमबीए में सर्वाधिक 396 व एचआर में 69 को डिग्री

समारोह में 2021-23 बैच के लिए एमबीए में- 396, एमबीए एचआर में- 69, एमबीए बीए में- 34, एग्जीक्यूटिव एमबीए में- 37, पीएचडी में तीन और ईपीएचडी में तीन डिग्री प्रदान की गई। निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव ने सभी छात्रों को बधाई दी और सलाह दी कि वे दैनिक दिनचर्या में स्थायी अभ्यास को शामिल करना शुरू करें। कहा, जीवन जीने के अधिक टिकाऊ तरीके को बढ़ावा देने के लिए अपने आसपास के वातावरण के साथ संबंध विकसित करें।

अच्छा इंसान बन समाज की बेहतरी के लिए कार्य करें

जीवन मंत्र

रांची। दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि हरिवंश ने डिग्री प्राप्त करनेवाले विद्यार्थियों को बधाई दी। विद्यार्थियों को अच्छा इंसान बनने और समाज के लिए बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने मन की बात और ह्यूमन कनेक्ट इनिशिएटिव के प्रभाव के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत और समावेशिता की समझ के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, रोबोटिक्स से संचालित वर्तमान तकनीकी युग की जटिलताओं के माध्यम से आगे बढ़ने की बात कही।

निदेशक ने गिनाईं उपलब्धियां: समारोह में संस्थान के निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव ने हाल के दिनों में आईआईएम रांची की ओर से किए गए विभिन्न पहलों की जानकारी दी। इनमें मन की बात अनुसंधान पहल, वंचित छात्रों के लिए एक छात्रवृत्ति कार्यक्रम, एएएससीबी मान्यता, यंग चेंजमेकर कार्यक्रम और जनजातीय मामलों के बारे में सीखने पर एक अनिवार्य पाठ्यक्रम की शुरुआत आदि के बारे में उन्होंने बताया।

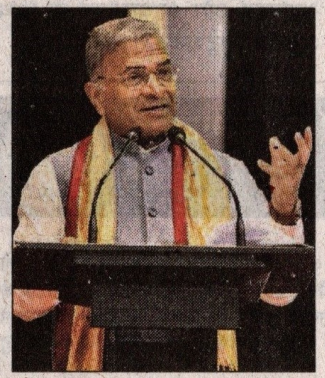

आईआईएम के 12वें दीक्षांत समारोह को शनिवार को संबोधित करते हरिवंश।

अन्य उल्लेखनीय पहलों में ह्यूमन कनेक्ट, जो मानसिक कल्याण को बढ़ावा देने पर केंद्रित है, रांची हवाई अड्डे पर सामुदायिक पुस्तकालय का उद्घाटन और एमजीएनएफ कौशल कॉन्क्लेव का उल्लेख उन्होंने किया। प्रो श्रीवास्तव ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में किए गए व्यापक परिवर्तनों का उल्लेख कर अकादमिक उत्कृष्टता के लिए आईआईएम रांची की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया।

Hindustan_02.07.2023_Pg. 05